फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 106 प्रभात जयपुर, मंगलवार 17 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

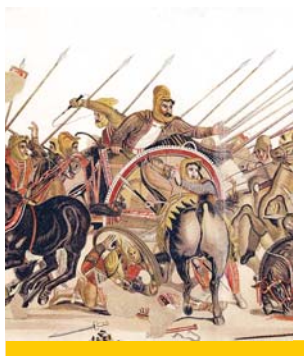
जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot



He Conquered An Empire and...

Alexander noticed that the horse was frightened by its own shadow. He turned it towards the sun, calmed it

Before the Khans and Kapoors

They embodied a new kind of femininity, independent, expressive, and unafraid of judgment

सोनिया गांधी के ''बुक लॉन्च'' पर, अशोक गहलोत की उपस्थिति ने सबको चौंकाया

अशोक गहलोत ने मु.मंत्री पद पर रहते हुए, सोनिया गांधी पर खुली बगावत का नेतृत्व किया था

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 नवम्बर। राहुल गांधी ने कहा था कि यह कहना गलत है कि सोनिया गांधी अंतर्मुखी (इन्ट्रोवर्ट) तथा कम बोलने वाली थीं और मिलनसार स्वभाव की नहीं थीं। राहुल गांधी ने यह बात किताब में वर्णित राजीव गांधी व सोनिया गांधी के आत्मीय संबंधों के संदर्भ में कही थी।

उनका कहना था कि सोनिया गांधी एक्स्ट्रोवर्ट, मौज-मस्ती पसंद करने वाली और मिलनसार थीं। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या के बाद ही वह पहले की तुलना में अधिक शांत और कम बोलने वाली हो गईं।

- इस बुक लॉन्च के अवसर पर, हालांकि, इंडिया ब्लॉक के कई मु.मंत्री सपत्नीक उपस्थित थे। जैसे उमर अब्दुल्ला व उनकी पत्नी निधि राजदान, उमर के पिता फारूख अब्दुल्ला, झारखंड के मु.मंत्री हेमन्त सोरेन व उनकी पत्नी, यू.पी. के पूर्व मु.मंत्री अखिलेश यादव व उनकी पत्नी डिम्पल तथा पंजाब के पूर्व मु.मंत्री अमरिंदर सिंह आदि।
- सोनिया गांधी ने अखिलेश यावद व उनकी पत्नी को सबसे ज्यादा महत्व दिया और सारे समय दोनों को अपने नज़दीक ही बिठाए रखा।

सोनिया गांधी ने स्वीकार किया कि वे भारत में एक्सैप्टबिलिटी और अपनापन ढूंढ रही थीं और यह उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण था।

उनका पूरा सफर और एक्सैप्ट किए जाने की उनकी चाहत ही उनकी जिंदगी और किताब, दोनों का सार है।

दिलचस्प बात यह है कि सोमवार 16 नवंबर को हुए सोनिया गांधी की आत्मकथा के अधिकारिक लॉन्च समारोह में, विपक्षी गठबंधन के मुख्यमंत्रियों में उमर अब्दुल्ला अपनी पत्नी निधि और पिता फारूक अब्दुल्ला के साथ मौजूद थे। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी के साथ और अखिलेश यादव अपनी पत्नी डिंपल के साथ सोनिया गांधी के बगल में बैठे थे,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'दो सप्ताह में न्यू सांगानेर रोड का अतिक्रमण हटाएं'

जयपुर 16 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जेडीए और नगर निगम को कहा है कि वे दो सप्ताह में सोडाला से गुर्जर की थड़ी स्थित न्यू सांगानेर रोड के अतिक्रमण हटाकर अदालत में पालना रिपोर्ट पेश करें। ऐसा नहीं करने पर अदालत ने जेडीए आयुक्त, सचिव और नगर निगम आयुक्त को व्यक्तिगत

- हाई कोर्ट ने जेडीए को पालना रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए।

रूप से 7 दिसंबर को हाजिर होकर जवाब देने को कहा है। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में कुछ प्रभावितों की ओर से पक्षकार बनने के प्रार्थना पत्रों को खारिज कर दिया है, हालांकि अदालत ने इन्हें इंटरवीनर के तौर पर अदालत में पक्ष रखने की छूट दी है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश सुरेश चन्द्र रावत की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान, जेडीए की ओर से अधिवक्ता अमित कुडी ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमिताभ बच्चन ने कहा, ''बच गए''

बच्चन ने सोशल मीडिया पर, एक संक्षिप्त टिप्पणी में सोमवार को कहा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 नवंबर। महानायक अमिताभ बच्चन ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक रहस्यमय संदेश साझा करते हुए लिखा, ''बच गए।'' यह संदेश उन खबरों के बीच आया है, जिनमें कहा गया है कि लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े दो कथित हमलावरों को अमिताभ बच्चन पर हमले की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

अभिनेता ने अपनी इस पोस्ट के बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया और न ही सीधे तौर पर कथित धमकी का जिक्र किया। हालांकि, उनकी यह टिप्पणी दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा द्वारा तीन दिन पहले दो कथित हमलावरों को गिरफ्तार किए जाने के बाद आई है। खबरों के अनुसार, ये दोनों दिल्ली के एक कारोबारी और अमिताभ बच्चन को निशाना बनाने की योजना बना रहे थे।

- हालांकि, बच्चन ने इस टिप्पणी के आगे कुछ नहीं लिखा, पर जैसा कि विदित ही है, दो ''शूटर'', जिनका लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह से सीधा संबंध बताया जाता है, को तीन दिन पहले, दिल्ली पुलिस के स्पैशल सैल ने गिरफ्तार किया है।
- इन शूटर्स को अमिताभ बच्चन व दिल्ली के बिज़नैस मैन को निशाना बनाने की जिम्मेवारी सौंपी थी, तथाकथित लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने।

ये गिरफ्तारियां 13 नवंबर को की गई थीं। आरोपियों की पहचान विकास ठाकुर के रूप में हुई है, जिसे दिल्ली से गिरफ्तार किया गया, जबकि दीपक को मुंबई से गिरफ्तार किया गया।

ओझा ने कहा, ''पूछताछ के दौरान दीपक ने कथित तौर पर खुलासा किया कि उसे मुंबई में बॉलीवुड के एक मशहूर अभिनेता पर गोली चलाने का निर्देश दिया गया था।'' खबर में पुलिस की जांच के हवाले से बताया गया है कि निशाने पर वह अभिनेता था, जिसने कथित तौर पर 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर टिप्पणी की थी। यह निर्देश लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के एक गैंगस्टर की ओर से दिए गए थे, जिसके बारे में माना जाता है कि वह विदेश में बैठकर गिरोह चला रहा है।

राम मंदिर की यात्रा के प्लान से फिर मुद्दे को सैंटर स्टेज दिलवाया

अखिलेश की प्रस्तावित यात्रा के विरोध में अयोध्या का संत समुदाय, मु.मंत्री योगी व अन्य राम भक्त संगठित हुए

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 16 नवंबर। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने अनजाने में ही हिंदुत्व की बहस को फिर से हवा दे दी है। उन्होंने घोषणा की है कि वे अपनी पत्नी डिंपल के साथ 12 दिसंबर को अयोध्या मंदिर जाएंगे। विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले की गई इस घोषणा के बाद राजनीतिक और धार्मिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। अयोध्या के करीब 400 संतों और साधुओं ने इस दौरे का विरोध किया है। उन्होंने मांग की है कि यादव पहले अपने पिता और तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के कार्यकाल के दौरान 1990 में कारसेवकों पर हुई पुलिस गोलीबारी के लिए माफी मांगें।

मणिराम छावनी में हुई एक बैठक में संतों ने संकल्प लिया कि जब तक यादव गोलीबारी में मारे गए लोगों के परिवारों और संत समाज से माफी नहीं मांगते, तब तक उन्हें अयोध्या की

- ''जब तक अखिलेश, अपने पिता मुलायम सिंह व उनकी सरकार के राम भक्तों पर गोली चलाने व संतों पर लाठी चार्ज के दुष्कर्म की माफी नहीं मांगते, अखिलेश को ''पंचकोसी'' सीमा में नहीं घुसने दिया जाएगा।''
- अखिलेश भी अयोध्या के राम मंदिर में ''चंदा चोरी'' के मुद्दे को बार-बार उठाते रहे हैं।

पारंपरिक पांच कोसी पवित्र सीमा में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। श्रीराम मंदिर धार्मिक कमेटी के स्वामी राजकुमार दास जैसे संतों ने प्रस्तावित दर्शन को विशुद्ध धार्मिक यात्रा के बजाय, राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित बताया है। उन्होंने कहा है कि माफी मांगे जाने तक विरोध जारी रहेगा।

समाजवादी पार्टी के लिए, यह दौरा हिंदुत्व की सोच को कम करने, अपने पारंपरिक पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) बेस से आगे बढ़ने और यह संदेश देने की कोशिश है कि भगवान राम सभी के हैं। यादव ने इसके जवाब में कहा है कि ''भगवान सबके हैं।'' उन्होंने वादा किया है कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो अयोध्या को ''सनातन तीर्थयात्रा की वैश्विक राजधानी'' बनाया जाएगा। इसके लिए मंदिर के प्रबंधन में पारदर्शिता लाई जाएगी और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाया जाएगा।

तथापि, उत्तर प्रदेश की राजनीति पर नजर रखने वाले जानकारों का मानना है कि अखिलेश का यह कदम उलटा भी पड़ सकता है। इस फैसले का राजनीतिक असर तुरंत और तीखे रूप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका ने एक और एयरक्राफ्ट कैरियर मिडिल ईस्ट भेजा

वाशिंगटन (अमेरिका), 16 नवंबर। संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच, अपना तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस थियोडोर रूजवेल्ट मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) भेजा है। इसके साथ ही, मिडिल

- अमेरिका के दो एयरक्राफ्ट कैरियर पहले ही यहां तैनात हैं।

ईस्ट में अमेरिका के तीन एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप तैनात हो गए हैं। इससे मिडिल ईस्ट में अमेरिका की सैन्य मौजूदगी और मजबूत हो गई है।

एक्सिओस, सीबीएस न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, रूजवेल्ट रविवार को अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड के क्षेत्र में पहुंचा। संयुक्त राज्य अमेरिका के दो एयरक्राफ्ट कैरियर इस क्षेत्र में पहले से काम कर रहे थे। अब थियोडोर रूजवेल्ट के पहुंचने से इनकी संख्या तीन हो गई है। एयरक्राफ्ट कैरियर समुद्र में बड़े सैन्य अड्डे की तरह होता है। इससे लड़ाकू विमान उड़ान भर सकते हैं और सैन्य अभियान चलाए जा सकते हैं। इसके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोनिया गांधी ने अपने ''बुक लॉन्च'' उत्सव में राहुल गांधी की विशेष बढ़ाई की

उन्होंने कहा, राहुल अपनी बात बड़ी मजबूती व वेबाक तरीके से पेश करते हैं, उनके राजनीतिक विश्लेषण, राजनीतिक मुद्दों पर सोच की गहराई, वाकई काबिले तारीफ है

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 16 नवंबर। सोनिया गांधी की बहुप्रतीक्षित किताब, ''बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव'', प्रकाशित होने के बाद से ही सुर्खियां बटोर रही है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के साथ उनकी लव स्टोरी, भारतीय खानपान के साथ उनकी शुरुआती मुश्किलों से लेकर जीवन में झेले गए उनके व्यक्तिगत दुख, पारिवारिक रिश्ते और राजनीति में उनके सफर तक, इस किताब ने पाठकों को चर्चा के काफी विषय दिए हैं।

आज, सोमवार 16 नवंबर को सोनिया गांधी नई दिल्ली में अपने संस्मरण के औपचारिक विमोचन समारोह में शामिल हुईं। इससे कुछ दिन पहले ही, प्रकाशक ने इस किताब के कुछ अंश मीडिया के लिए जारी कर दिये थे।

- सोनिया गांधी की किताब का अधिकृत लोकार्पण (फॉर्मल लॉन्च), बहुत की स्नेहपूर्ण आत्मीय वातावरण में सम्पन्न हुआ। जिसमें कोई राजनीतिक बात या मुद्दा नहीं उठाया गया। हालांकि, पिछले दिनों, सोनिया गांधी की किताब काफी कुछ ''विवादास्पद और राजनीतिक कटुता का छौंक लिए हुए भी रही है।''

जहां इस संस्मरण से जुड़े राजनीतिक खुलासों और विवादों ने काफी ध्यान खींचा है, वहीं इस किताब को तैयार करने के पीछे परिवार से जुड़ी एक दिल को छू लेने वाली कहानी भी है।

दरअसल, सोनिया गांधी के बच्चों, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपनी मां की जीवन कहानी को शब्दों में ढालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

किताब के आभार वाले हिस्से में सोनिया गांधी ने बताया है कि उनके बच्चों ने लेखन के दौरान किस तरह उनकी मदद की।

उन्होंने लिखा है, ''मैं राहुल और प्रियंका की दिल से आभारी हूं, जिनका लगातार मिलने वाला प्यार और देखभाल हर कदम पर मेरा सहारा रहे हैं।'' उन्होंने आगे बताया कि दोनों ने किताब लिखने में भी उनकी सहायता की।

सोनिया बताती हैं कि राहुल ने अपने राजनीतिक विश्लेषण और विचारों से योगदान दिया, जो उनके लिए काफी उपयोगी साबित हुए। हालांकि, कई बार राहुल अपनी बात बहुत जोर देकर रखते थे।

सोनिया लिखती हैं, ''राहुल के राजनीतिक विश्लेषण और विचार, भले ही कभी-कभी बहुत जोर देकर रखे गए हों, लेकिन हमेशा सटीक और रचनात्मक होते थे।'' उन्होंने आगे कहा कि परिवार के आपसी रिश्तों को लेकर राहुल की टिप्पणियां भी उतनी ही उपयोगी थीं।

वहीं, प्रियंका ने एक अलग तरीके से अपनी मां की मदद की।

अपनी बेटी को ''खुद भी एक बहुत अच्छी लेखिका'' बताते हुए, सोनिया ने कई ऐसे अंशों को लिखने और बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने का श्रेय प्रियंका को दिया है, जिन्हें लिखना उनके लिए विशेष रूप से कठिन था।

इनमें उनके जीवन की कुछ सबसे दर्दनाक यादें भी शामिल थीं, जिनके बारे में सोनिया स्वीकार करती हैं कि उनका दिमाग बंद हो गया था।

लेकिन इस पारिवारिक प्रयास में केवल राहुल और प्रियंका ही शामिल नहीं थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सन्नी देओल की ''सूर्या'' फिल्म बिना प्रमाण पत्र के कहीं नहीं दिखाएं'

जयपुर, 16 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सन्नी देओल अभिनीत फिल्म ''सूर्या-अंत से आरंभ तक'' को सिनेमैटोग्राफ एक्ट के तहत प्रमाण पत्र जारी होने से पूर्व सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सहित किसी भी मंच पर

- इंडियन मैडिकल एसोसिएशन की याचिका पर हाई कोर्ट ने आदेश दिया।

प्रदर्शित नहीं करने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में फिल्म के निर्माता को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता प्रियांशी कट्टा ने अदालत को बताया कि ''सूर्या-अंत से आरंभ तक'' फिल्म 20 नवंबर को रिलीज होने जा रही है, जिसे प्री-रिलीज आधार पर सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया है। याचिका में कहा गया कि इस फिल्म में चिकित्सकों की मानहानि की गई है और उनका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन ने पूर्णतय बैटरी से संचालित हवाई जहाज बनाया व उड़ाया

यह विमान 19 यात्रियों को लेकर 57 मिनट उड़ा और 60.4 किलोमीटर की यात्रा पूरी की

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 नवम्बर। चीन ने इलेक्ट्रिक परिवहन के क्षेत्र में एक नई उपलब्धि हासिल की है। उसने बैटरी से चलने वाले 19 सीटों के यात्री विमान की पहली मानव-संचालित उड़ान सफलतापूर्वक पूरी की। इसे इलेक्ट्रिक एविएशन के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति माना जा रहा है। सीई-25ए विमान की यह टैस्ट फ्लाइट भविष्य में इलैक्ट्रिक-पावर्ड रीजनल एयर ट्रैवल का रास्ता खोल सकती है, हालांकि इसके कमर्शियल ऑपरेशन में अभी कुछ समय लगेगा।

दस टन वजनी इस विमान ने 14 नवंबर को शानदोंग प्रांत में उड़ान भरी। इसमें दो पायलट और एक उड़ान परीक्षण इंजीनियर सवार थे। कमर्शियल एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन ऑफ चाइना (सीओएमएसी/कोमैक) ने बैटरी निर्माता सीएटीएल, शंघाई जियाओतोंग विश्वविद्यालय और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर इसे विकसित किया है। यह एयरक्राफ्ट एविएशन सैक्टर में इलेक्ट्रिक व्हीकल और बैटरी टैक्नॉलजी में चीन की ताकत को एविएशन में बदलने की कोशिश को दिखाता है।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, कोमैक के हवाले से बताया गया कि परीक्षण के दौरान विमान ने सामान्य रूप से काम किया और उसके सभी परफॉरमैंस इंडिकेटर्स उम्मीदों के अनुरूप रहे। सरकारी प्रसारणकर्ता सीसीटीवी ने बताया कि उड़ान कुल 57 मिनट और 46 सेकंड तक चली। विमान 16 मिनट और 38 सेकंड तक हवा में रहा और इस दौरान उसने 60.4 किलोमीटर की दूरी तय की।

सीई-25ए को अधिकतम 19 यात्रियों को ले जाने और लगभग 400 किलोमीटर तक उड़ान भरने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसका अधिकतम उड़ान भरने का वजन 10 टन, सामान्य उड़ान गति 300 किलोमीटर प्रति घंटा और उड़ान की

- चीन ने इस उड़ान से अपनी बैटरी बनाने की टैक्नॉलजी की जानी मानी श्रेष्ठता को पूरी तरह स्थापित किया तथा इस श्रेष्ठता का उपयोग नागरिक उड्डयन में भी करके विश्व को अचंभित किया।
- हालांकि, अभी इस टैक्नॉलजी को कमर्शियल तरीके से उपयोग में लाने में समय लगेगा, पर, इस टैक्नॉलजी के विकास की यात्रा में यह मील का पत्थर है।
- यह जरूर माना जा रहा है कि इस नई टैक्नॉलजी से चलने वाले हवाई जहाज लंबी-लंबी हवाई यात्रा नहीं कर पाएंगे। पर, यह उम्मीद है कि यह नई टैक्नॉलजी हवाई यात्रा की कीमत में काफी कमी लाएगी।

ऊंचाई 2,400 मीटर है। इसलिए इसका मुख्य उद्देश्य लंबी दूरी की हवाई यात्रा के बजाय, कम दूरी की रीजनल कनैक्टिविटी को बढ़ावा देना है।

इस एयरक्राफ्ट की सबसे खास बात इसकी इलेक्ट्रिक प्रोपैल्शन प्रणाली है। परंपरागत यात्री विमान जैट या टर्बोप्रॉप इंजन से चलते हैं, इसके विपरीत, सीई-25ए में पंखों के साथ कई विशेष नलिकाकार पंखे (डक्टेड फैन) लगाए गए हैं। ये पंखे इलेक्ट्रिक मोटरों से चलते हैं, जिन्हें विमान में लगी बैटरी से बिजली मिलती है।

इसमें कई जगहों पर लगाए गए पंखों और मोटरों की व्यवस्था को पारंपरिक इंजन प्रणाली के विकल्प के रूप में विकसित किया गया है। हालांकि, ऊर्जा की बचत, संचालन की लागत और उड़ान के प्रदर्शन के मामले में इसके वास्तविक फायदे क्या होंगे, यह आगे होने वाले परीक्षणों से ही स्पष्ट हो सकेगा।

इस ताजा उड़ान से पहले भी विमान के विकास की दिशा में कई चरण पूरे किए जा चुके हैं। इस विमान ने 2 फरवरी, 2026 को अपनी पहली स्वचालित और बिना पायलट वाली उड़ान पूरी की थी। इसके बाद, बिना चालक दल के 19 परीक्षण उड़ानें भी की गईं। चौदह नवंबर का परीक्षण विशेष रूप से महत्वपूर्ण था, क्योंकि इसमें विमान ने चालक दल के साथ उड़ान भरने की अपनी क्षमता प्रदर्शित की।

यह परियोजना सड़क परिवहन से आगे इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में भी अपनी लीडरशिप बढ़ाने की चीन की महत्वाकांक्षा को दर्शाती है। कोमैक की विमान निर्माण क्षमता, सीएटीएल की बैटरी तकनीक और शैक्षिणक अनुसंधान को एक साथ लाकर, यह पहल एविएशन सैक्टर की सबसे बड़ी टैक्नोलॉजिकल चुनौतियों में से एक का समाधान खोजने की कोशिश करती है। यह चुनौती है, पैसैंजर मार्केट की सेवा के लिए काफी बड़ी बैटरी से चलने वाले एयरक्राफ्ट बनाना।

हालांकि, इस सफल उड़ान को व्यावसायिक सेवा के लिए विमान की पूरी तैयारी नहीं समझना चाहिए। सीई-25ए को चीन के सीसीएआर-25 ''ट्रांसपोर्ट कैटेगरी एयरवर्थनैस रैगुलेशन'' के तहत विकसित किया जा रहा है। चीन के नागरिक उड्डयन प्रशासन ने इसके टाइप सर्टिफिकेट यानी विमान के डिज़ाइन और सुरक्षा मानकों की आधिकारिक मंजूरी के लिए दिए गए आवेदन को स्वीकार कर लिया है, जो अप्रूवल प्रोसैस में एक मील का पत्थर है।

किराया देकर यात्रा करने वाले यात्रियों को ले जाने से पहले इस विमान को अभी बड़े पैमाने पर टैस्टिंग से गुजरना होगा और रैगुलेटर की सुरक्षा तथा प्रदर्शन संबंधी शर्तों को पूरा करना होगा। बैटरी का वजन, उसमें ऊर्जा संग्रह करने की क्षमता, उड़ान की दूरी और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ग्यारह साल बाद दहेज की मांग उचित नहीं लगती'

जयपुर, 16 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने दहेज प्रताड़ना से जुड़े 11 साल पुराने मामले को रद्द करते हुए कहा कि वैवाहिक जीवन में होने वाले छोटे-मोटे झगड़े, चिड़चिड़ापन और आपसी नाखुशी हर बार कानूनी रूप से क्रूरता की श्रेणी में नहीं आते हैं। अदालत ने

- हाई कोर्ट ने कहा कि वैवाहिक विवादों में दहेज प्रताड़ना की धारा को हथियार बनाना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

माना कि वैवाहिक विवादों में अस्पष्ट आरोप लगाकर कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग किया जा रहा है। जस्टिस अशोक कुमार जैन ने यह आदेश उदयपुर निवासी व्यक्ति की ओर से दायर याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि शादी के 11 साल बीत जाने के बाद अचानक दहेज की मांग को लेकर रिपोर्ट दर्ज कराना संभव प्रतीत नहीं होता है। रिकॉर्ड पर ऐसा कोई सहायक तथ्य या सबूत मौजूद नहीं था, जो दहेज की मांग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)